

Tyoti B.Ed. college, Rampura, Fazilka

Bunt Material

of

Subject:- Assessment for Learning

Paper:- III

Subject code:- (F-2.3)

Class:- B.Ed.

Session:- (2019-21)

Topic:- Existing Practices: Feedback in
Improving learning and learner's
development

Teacher's Name

Miss Rene

Assistant Prof. in

Pedagogy of Social Studies)

(1) मंड इ मापा उ बिडी ब्राह्म दासी वडिपुमरी (4)

(a) लाउग वडिपुमरी मशिगी वडिपुमरी शिगी बिम दिम बडी
द्वेषे धरे मापडे मयाउ इ दिवम
बडी बीडी शारे उँ

(b) रुमिमा उ धाम वडिपुमरी मशिगी वडिपुमरी शिगी
रुमिमा उँ शिदं मापी,
मशिगी, दिखिमाभीमा, मशिमाबो, शिगीमा उलाग धाम
बीडी शारे उँ उँ शे मियद मनेक दिरे मयाउ
बीडा भा मबी

(c) दीउरि वडिपुमरी दीउरि वडिपुमरी दीउरि मापको
शिदं दीडीदिडे माडीहं दं
दीडीग मभीक, बीपुडुद मादि उलाग वराक बीडी शारे उँ

(2) मरूप इ मापा उ वडिपुमरी

(a) मरागउरि वडिपुमरी मशिगी वडिपुमरी शिगी गगी दिरे
दिखिमाभीमा ^{मशिमाब} उ दिदग
दुँ शिमा इरे द्यादिमा शारे उँ

(b) नरागउरि वडिपुमरी मशिगी वडिपुमरी शिगी दिरे
दिखिमाभीमा ^{मशिमाब} उ दिदग दिरे शे भीमा
उर, दुका ^२ उ दिदग दी वेमि बीडी शारे उँ

(c) मिमरि वडिपुमरी दिम दिरे दिखिमाभीमा उ दिदग
उँ दिदग दीमा दिखिमाभीमा उ दिदग
मोगडा धाग शारवागी बिडी शारे उँ

(3) मीडगाह र मापा उ वडिपुमरी।

(a) उउवासी वडिपुमरी। ममिी वडिपुमरी मिमिी मिकिमामिी ममिमामर मी वामरवडा मी कुमर दिदग मी वाम र उउउ चामर रिी मीरी मी।

(b) रु डाह रिी माह दासी वडिपुमरी। मिम उउु री वडिपुमरी मिकिमामिी, ममिमामर मी वामरवडा मी कुमर दिदग मी वाम उ वासी मी चामर रिी मीरी मी।

* मिकिहरे मया मी मिकिमामिी र दिदाम दि वडिपुमरी। वडिपुमरी ममर र लोगरान
Role of Feedback in improving learning
and learner's development

* मिकिह र मया दि वडिपुमरी र लोगरान
Role of Feedback in improving learning

मिकिह र मया दि वडिपुमरी र लोगरान र मिप ममम मी।

(1) दिदमरीग डिडर ममम मिमि (Learning According to Individual Differences) वडिपुमरी लाग रि

दिलवाती माप है I-Q level मनुष्य में निहित है। ^{बहु} ^{ही} (6)
दिलमायी Intelligent है जो मनुष्य में निहित है।
जो सिखा लेता है जो है, कुमारी सिखाती गती
पीत रही है। - दिन मनुष्य का पता बड़पुत्री समाप्त है।

(2) बुद्धिमानी सिखा (Effective Learning) बुद्धिमानी समाप्त
ती पता है, कि दिलमायी के बुद्धिमानी के
कारण - विज्ञान र निष्कर्ष है।

(3) सिखा है स्पष्ट उद्देश्य (Clear objectives of Learning):
बुद्धिमानी मनुष्य में सिखा है उद्देश्य ही
स्पष्टता से प्राप्ति है कि निष्कर्षों के सिखा
रा ही उद्देश्य है, कि उद्देश्य काय है उद्देश्य है
कि उद्देश्य प्राप्ति है।

(4) सिखा मनुष्य जीवन है (Learning for Real life)

बुद्धिमानी का स्पष्ट उद्देश्य है, कि सिखा मनुष्य
जीवन है कि उद्देश्य मनुष्य जीवन है कि उद्देश्य
विम उद्देश्य है कि उद्देश्य मनुष्य जीवन है।
कि सिखा मनुष्य जीवन है कि उद्देश्य मनुष्य जीवन है।

(5) मनुष्य मनुष्य पाठ्यक्रम कि परिवर्तन (To change Curriculum according to need):
बुद्धिमानी ही मनुष्य
मनुष्य मनुष्य पाठ्यक्रम कि परिवर्तन कि मनुष्य जीवन है।

6) बीपट मई बीकिया दिरे मयाव (Improvement in Tests and Examination):- बीपुमरी री मगदिता कास बीपट मई बीकिया दिरे रे बीकिया जक, कुका मई एव वरर कुका दिरे मयाव बीडा भा मकरा मई

7) मपिरागो री मईकिया मई मिक्किया रीका (Protection of Right and Awareness Unconsciousness):- बीपुमरी री मगदिता कास मिक्किया मपई मपिरागो री मईकिया करे मई, मपिरागो मई पकाकरा मई मिमकरा, मिक्किया मई दिरे इउउडा पईर उरी मई

8) ईडि पई (Motivational Approach):- बीपुमरी एमारा दिरिमामि मई पडा इकरा मई, बि कुका मई वमको रा मगी कुका रिडा मई भा कगी मिम मकरा कुका मई मिम री वरका मिमरी मई

9) ईरीकरा मई वगडिमीक मिपटा (Integrated and Progressive Learning):- बीपुमरी एमारा दिरिमामि मिपट र' उरर पम वारं मरवारी वामउ वरर मई कुका री मिपट ममक दिरे दापा मारं

10) मडिनेगी मई वडीनेगी मिपटा (Co-operative and Challenging Learning):- बीपुमरी एमारा दिरिमामि मपिरागो

विज्ञान, प्रौद्योगिक्य, मंडे मानसिक उच्च स्तर के मंडे (9)
विद्यमान ही प्रौद्योगिक्य के माध्यम - माध्यम - उच्च विद्यमान
व्यापक संख्या में

(2) विज्ञानिक विकास (Improvement in Psychomotor development):- विज्ञानिक विकास कि
मानसिकता का मध्यम विकास मानसिक स्तर में
प्रौद्योगिक्य स्तर दिशात्मकता का विज्ञानिक विकास
का मध्यम विकास मानसिक स्तर में प्रौद्योगिक्य
स्तर की वृद्धि में प्रकाश में, कि उच्च है
विज्ञानिक स्तर कि उच्च स्तर की प्रतीति प्रतीति

(3) मौखिक विकास (Emotional development)
प्रौद्योगिक्य स्तर की दिशात्मकता की उच्चता में
मानसिक भाव में उच्च - माध्यम उच्च विकास
की भाव में

(4) मानसिक विकास (Social development):- प्रौद्योगिक्य
स्तर दिशात्मकता में प्रकाश में, कि उच्च
है मानसिक कि उच्च स्तर की मानसिक
वर्धन में

(5) नैतिक विकास (Moral development):- दिशात्मकता

रे नैडिउर गुंछो प्रिदं दीमाकरागी, गैरादी, मिहंदागी, (७)
मजिदोग, मगादिवा मारि दिउ कुरे जी पमिपंडा
माहिरी जी, मरे कुरां ई वडिपुमरी वराक बीडी मारी जी

(६) बोमा दिवाज (Language Development) :- वडिपुमरी
रुमाज जी दहिमां ई बोमा दिवाज उद मोकं, दारो,
दार - देप ई मारुद ई कुरा वर रीगी उगुं
वडिपुमरी वर वार पडा रैहरा जी

(७) मकनीउर दिवाज (Personality Development) :-
वडिपुमरी रुमाज दिखिमाखी ई मर - मर ई मकनीउर ई
उर पव प्रिदं दिवाज, वडिपुमरी, कुरां वार
मारवागी वपउ जी जी

(८) मफिमाउमिर दिवाज दिइ मयाव (Improvement in
Spiritual Development) मफिमाउमिर पव रा मयाव
दी वडिपुमरी रुमाज वपउ बीज मारि जी वडिपुमरी
दिखिमाखीमा दिइ मफिमाउमिर मरु प्रिदं मजिब,
पिमाव, मफिउडा दिमं वर मरिउकी मरु ई मर दिरी
जी

मिरा (Conclusion) :- मरु दिइ दिइ विग मर मररां, कि
वडिपुमरी वर दिखिमाखीमा मरु मफिमाउमिर रैको री प्रिदिगी
दिइ वर दू डोगराक जी वडिपुमरी रुमाज जी प्रिदं
दिखिमाखीमा ई मरदीमं वरमरागी दिइ मयाव वरक रा
मरे मरिउर ई कुरां जी मफिमाउमिर ई वडिपुमरी मफिमाउमिर
वडिपुमरी दिइ मयाव वरक वार रीमा - रीमां गुंछो मरिउर
ई मरिउरीमां मर